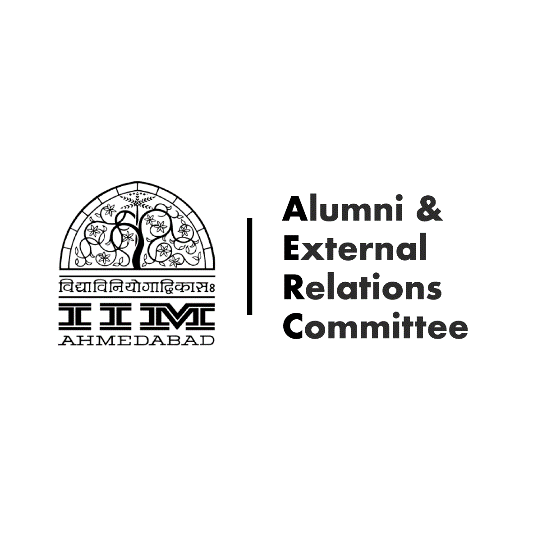
****

**प्रेस विज्ञप्ति**

**मास्टरक्लास** **वक्ता श्रृंखला –** **अखिलेश टिलोटिया के** **साथ संवादात्मक सत्र**

**23 अगस्त,** **2018** **|** **अहमदाबाद**

जिन्होंने अपने करियर में बड़ी सफलता हासिल की है ऐसे पूर्वछात्रों की साहसी विशेषतायुक्त करियर पर केंद्रित व्याख्यान देने की पहल के साथ, पूर्वछात्र बाहरी संबंध समिति ने, अपने मास्टरक्लास वक्ता श्रृंखला की शुरूआत अति प्रतिभावान श्री अखिलेश टिलोटिया के संवादात्मक सत्र से की, जो भारत सरकार के वर्तमान नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री के साथ विशेष कर्तव्य अधिकारी हैं। आईआईएमए के बैच-2002 के स्नातक श्री टिलोटिया सार्वजनिक नीति, पूंजी बाजार, रणनीति परामर्श और उद्यमिता में गहरी दिलचस्पी रखने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ नौकरशाहों, बड़े निधि गृहों, निवेशकों और संगठनों के साथ काम किया है। एक उत्कट लेखक और सर्वाधिक बिक्रीकृत पुस्तक "द मेकिंग ऑफ इंडिया – गेम चेंजिंग ट्रांजिशन" जैसी रचना से निखरे सामाजिक-आर्थिक विश्लेषक श्री टिलोटिया व्यापार मीडिया में एक शानदार स्तंभकार और कमेंटेटर की भी गरिमा बनाए हुए हैं। वे गणित, पौराणिक कथाओं और मानव प्रकृति जैसे विषयों में भी आकृष्ट हैं और प्रसन्नचित्त से जिज्ञासा का हल खोज निकालते हैं।

श्री अखिलेश टिलोटिया ने संस्थान में अपने सबसे यादगार संस्मरणों के साथ अपनी बात शुरू की और आगे समझाया कि उन्होंने अपने जीवन में अपने विकल्पों का फैसला कैसे किया : "वे सही विकल्प नहीं भी हो सकते हैं, लेकिन समय और तरीके उन विकल्पों को महत्वपूर्ण बनाते हैं"। श्री अखिलेश का पहला बड़ा विकल्प यह था कि उनको हाईस्कूल में विज्ञान या वाणिज्य लेना है या नहीं। अच्छे ग्रेड होने के बावजूद, वे तत्कालीन पारंपरिक मार्ग के विपरीत चले और वाणिज्य ले लिया। उनका मानना ​​है कि वे उनके आस-पास के लोगों से प्रभावित थे और वे केवल "पैसे कमाना और खुद का नाम बनाना चाहते थे"। लेकिन, उसके बाद से भेड़दौड़ से बाहर निकलने की इच्छा को ही वे चीपके रहे। श्री टिलोटिया ने आग्रह किया कि हर किसी को अपने विकल्प के साथ शांति से आगे बढ़ना चाहिए और देखना चाहिए कि एक बार विकल्प तय होने के बाद कहाँ तक ले जाता है।

उनका अगला बड़ा विकल्प सीए या एमबीए के बीच चयन करना था। अगर स्थगन विकल्प तब उपलब्ध रहता, तो अखिलेश ने कुछ वर्षों तक काम किया होता और आईआईएमए में शामिल होने से पहले कुछ अनुभव प्राप्त कर लिया होता। उन्होंने एक और निर्णय लिया जिसमें विदेशी इंटर्नशिप के लिए आवेदन करने के सामने एक्सचेंज प्रोग्राम का चयन करना था। हालांकि दोनों उनके लिए समान रूप से आकर्षक थे, लेकिन वे पारस्परिक रूप से अनन्य थे। अपने एक्सचेंज संस्मरणों से सत्र को उज्ज्वल करते हुए श्री टिलोटिया ने विदेश यात्रा करने के महत्व का उल्लेख किया; दुनिया भर में जितना अधिक भ्रमण करते हैं, उतना अधिक यह समझ पाते हैं कि भारत में विकास के अवसरों या करियर की संभावनाओं के मामले में भारत में आपका पद कितना महत्त्वपूर्ण है। साथ ही, यात्रा करने से मनुष्य को कई प्रकार के अनुभव मिलते हैं और उन्हें सचेत विकल्प बनाने में सहायता मिलती है। बीसीजी, मुंबई में अपने इंटर्नशिप अनुभव के बारे में याद करते हुए उन्होंने व्यक्तित्व विकास के महत्त्व को इंगित किया, लोकप्रिय एलएएक्स परीक्षा का जिक्र करते हुए कि अगर कोई अपने नियोक्ता के साथ हवाई अड्डे पर फँस गया हो, तब नियोक्ता को ऐसे समय में अपने कर्मचारी में एक्सेल शीट में व्यस्त व्यक्ति के तौर पर देखने के बजाय कैसे उसके साथ एक दिलचस्प समय बिताना पड़ता है।

श्री टिलोटिया की चौथी दुविधा परामर्श और निवेश-बैंकिंग के बीच कोई एक विकल्प पसंद करना था और उन्होंने पहले विक्लप को चुना। उन्होंने जल्द ही 15 महीनों के बाद अपनी परामर्श नौकरी छोड़ दी, जिसे वे "खुद को गढ़ने वाला अविश्वसनीय अनुभव" बताते हैं। वे अपनी विपरीत करियर भूमिकाओं को एक खुला दिमाग बताते हैं और इन भूमिकाओं को एक विशेष विकल्प के लिए खुद को बाधित नहीं करने के लिए एक रवैया होने का श्रेय देते हैं। यदि फलाना कुछ कर रहा है तो यह कुछ अपने लिए अच्छा ही होगा ऐसा संभव नहीं होता, इसिलए व्यक्ति को अपने स्वयं के लिए अधिक विकल्प खड़े करने चाहिए। उनका अगला बड़ा निर्णय यह था कि उन्हें अपना खुद का उद्यम खोलना है या अपनी नौकरी जारी रखना है। श्री टिलोटिया बताते हैं कि बाहरी दुनिया में उद्यमिता कैसे एक स्पष्ट विकल्प नहीं है, जिस तरह आज के युवाओं की शुरुआत स्टार्ट-अप के विचार में जाने की प्रवृत्ति के विपरीत होती है। उन्हें खेद है कि भारत में प्रबंधन संस्थानों में व्यावहारिक दुनिया में जोखिमों से कैसे निपटना है ये नहीं सिखाया जाता। लेकिन अखिलेश सभी को अपने स्वयं का कुछ कर दिखाने के लिए भी आग्रह करते हैं और बताते हैं कि "अवसर लागतों के बारे में कभी ना सोचें, सिर्फ इसीलिए कि वे सभी विफल लागत हैं"। उन्होंने अपनी खुद की वित्तीय सेवा कंपनी का एक व्यापार मॉडल बनाया जो तब बहुत अनूठा था। जब ग्रेट रीसेशन की चोट आई तब अंततः उन्होंने भारी दबाव में आकर कंपनी को बेच दिया और वह भी यह महसूस किए बिना कि उनकी कंपनी उद्योग में कितनी महत्वपूर्ण बन गई थी।

श्री टिलोटिया के संवाद सत्र का आखिरी हिस्सा दिलचस्प रूप से "लाइफ लेमन" शीर्षक से था, जिसमें नागरिक उड्डयन क्षेत्र में उनकी वर्तमान भूमिका का जिक्र किया गया, जो उनके जीवन में अचानक अकस्मात आ गई थी। उनके एक परिचित ने उन्हें वित्त मंत्रालय में शामिल होने का मौका दिया, जो कि उन्होंने बहुत सोच-विचार करने के बाद स्वीकार किया और सिर्फ एक महीने के बाद छोड़ दिया था। यही मंत्रालय जल्द ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय में बदल गया, जिसमें उन्हें फिर से शामिल करने के आग्रह से मौका दिया और क्योंकि वे "कुछ अलग" करना चाहते थे इसलिए फिर से जुड़ गए। और जो शेष रहा वह एक इतिहास है, वे कहते हैं। एक उच्चतम बिंदु पर बातचीत समाप्त करने के बाद, श्री टिलोटिया अपने सहयोगियों और परिचितों के साथ अच्छे संबंधों को विकसित करने के महत्व पर जोर देते हैं। उन्होंने उल्लेख किया, कि जब कोई 30 साल की उम्र को लांघ जाता है, तब उसके सीवी अंकों के कारण नौकरियाँ नहीं मिलती बल्कि इतने वर्षों में बनाए रखे गए रिश्तों के आधार पर नौकरियाँ मिलती हैं। जब प्रश्नों की बारी आई तब खचाखच भरे सभागार में विभिन्न परिस्थितियों के बारे में छात्रों द्वारा उलझनों से युक्त प्रश्नों के हल पूछे गए जिनके श्री टिलोटिया ने बहुत धैर्यपूर्वक जवाब दिए थे।

विषयांत -

**भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के बारे में :-**

*सन् 1961 में स्थापित, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है। दुनिया के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों में से एक, आईआईएमए उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करता है। संस्थान की सामरिक प्राथमिकताओं में : शिक्षाविदों, व्यवसायियों, पूर्वछात्रों और समुदाय समेत अपने विभिन्न वांछित क्षेत्रों के साथ संबंध मजबूत करना; विस्तार, स्वायत्तता, और टीमवर्क के उच्च प्रदर्शन के लिए काम के माहौल को पोषित करना; और गुणवत्ता में सुधार के साथ सामरिक विकास शामिल हैं।*

*प्रमुख कार्यक्रम स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम-पीजीपी) प्रबंधन रैंकिंग-2017 में फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स में 21वेँ स्थान पर है। फाइनेंशियल टाइम्स के ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2017 के अनुसार, आईआईएमए के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम फॉर एक्जीक्यूटिव्स (पीजीपीएक्स) को दुनिया में 29वें स्थान पर रखा गया है। खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एफ़एबीएम) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को एड्युनिवर्सल मास्टर्स रैंकिंग 2018 में प्रथम रैंक दिया गया है। आईआईएमए को भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थानगत रैंकिंग फ्रैमवर्क (एनआईआरएफ़) में प्रथम स्थान दिया गया है।*

मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें :

|  |  |
| --- | --- |
| रजत एस. पिपलेवर  पूर्वछात्र बाहरी संबंध समिति (पीजीपी-2)  भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद  दूरभाष : (सेल) +91-9619076467  ईमेल : [p17rajatp@iima.ac.in](mailto:p17rajatp@iima.ac.in) | अंकिता साहा  बाहरी मीडिया संबंध (पीजीपी-1)  भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद  दूरभाष : (सेल) +91-9836550393  ईमेल : p18ankita9@iima.ac.in |